सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 9
अंक : 107
दिसम्बर : 2018

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | सम्पादकीय

8 | समसामयिकी घटना संग्रह

9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- देश का पहला इथेनॉल संयंत्र का शिलान्यास
- विश्व बैंक ने मानव पूँजी सूचकांक, 2018 जारी किया
- भारत और एशियाई विकास बैंक में समझौता
- भारत का विदेशी ऋण 514.4 बिलियन डॉलर

24 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- पाँच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा
- यूपी सरकार ने 'इलाहाबाद' का नाम बदलकर 'प्रयागराज' किया
- भारत का पहला मल्टी-स्किल पार्क
- इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2018 का समापन

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

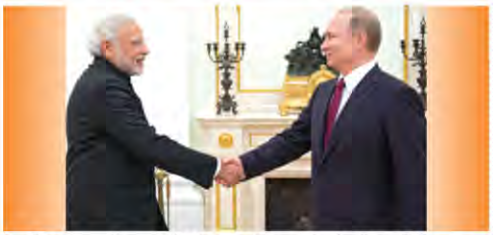

- रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा सम्पन्न
- चीन ने समुद्र पर विश्व का सबसे लम्बा पुल बनाया
- भारत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद् में निर्वाचित
- भारत और संयुक्त राष्ट्र में समझौता

31 | खेल खिलाड़ी

- ग्रीष्मकालीन यूथ ओलम्पिक गेम्स, 2018 का समापन
- एशियाई पैरा खेल, 2018 सम्पन्न
- डकवर्थ-लुइस-स्टर्न प्रणाली का नवीनतम संस्करण जारी
- आरटीआई अधिनियम के अन्तर्गत हुआ बीसीसीआई
- पदार्पण टेस्ट मैच में शतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर
- भारत ने श्रीलंका को हराकर अंडर-19 एशिया कप जीता

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

38 | **राजनीतिक लेख**—महिला आरक्षण पर कांग्रेस का सियासी दाँव

39 | **सामयिक लेख**—प्रगति को पीछे ढकेल रही है बढ़ती जनसंख्या

40 | **समसामयिक प्रतियोगी परीक्षा लेख**—कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं का विवरण (SSC-CHSL की परीक्षा एवं चयन-प्रक्रिया)

44 | **कॅरियर लेख**—आईबीपीएस द्वारा आयोजित बैंक क्लर्क परीक्षा, 2019-20 हेतु रणनीति

76 | **सामान्य जानकारी**—जकार्ता एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन

79 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

80 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-104 का परिणाम**

81 | **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

49 | **छत्तीसगढ़ प्री.-डी.एल.एड. परीक्षा, 2018**

55 | **मध्य प्रदेश ग्रुप-4-सहायक ग्रेड-3, स्टेनोग्राफर, स्टेनो-टाइपिस्ट, डाटा एण्ट्री ऑपरेटर संयुक्त भर्ती परीक्षा, 2018**

61 | **आगामी आर.आर.बी. लोको पायलट/तकनीशियन भर्ती परीक्षा-2018, द्वितीय चरण, भाग-'अ' हेतु विशेष हल प्रश्न**

67 | **आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड आर.पी.एफ./आर.पी.एस.एफ. कॉस्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न**

74 | **राजस्थान वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान-आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न**

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन- 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स- (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002
फोन- 011-23251844, 43259035

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना- 800 004
फोन- 0612-2303340
मो- 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता- 700 003 (W.B.)
फोन- 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद-500 036
(तेलंगाना) फोन- 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला-नैनीताल- 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो- 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर- 452 002 (म.प्र.)
फोन- 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
लखनऊ- 226 004
फोन- 0522-4109080
मो- 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर-440 009 (महाराष्ट्र)
फोन- 0712-6564222
मो- 09370877776

सम्पादकीय

पढ़ना ज्ञानार्जन का प्रारम्भिक बिन्दु

शिक्षा सुनिश्चित तौर पर ज्ञानार्जन का मार्ग प्रशस्त करती है, लेकिन ज्ञानार्जन का मूल तत्व विषयवस्तु को समझने और उसका पालन करने में भी निहित है. प्राचीनकाल से लेकर आज तक राजनीति, अर्थ क्षेत्र, धर्म, विज्ञान, आध्यात्म, समाज विज्ञान आदि के क्षेत्र में जितने भी विद्वान् हुए हैं. उन सभी ने शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ अपने ज्ञान से जगत् को आलोकित किया है. कक्षा उत्तीर्ण करके प्रमाण-पत्र या डिग्री हासिल कर लेना शिक्षा का अन्तिम लक्ष्य हो सकता है, ज्ञान प्राप्ति का नहीं. भारत सहित सारे विश्व में प्रतिवर्ष लाखों छात्र-छात्राएं डिग्री हासिल करके अपने कैरियर को सँवारने का प्रयास करते हैं, लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है जिन्होंने विषय को भली प्रकार से समझा है अर्थात् वे गुणी एवं ज्ञानवान हैं.

अध्ययन करते समय भी हम लोग प्रायः जल्दी करते हैं. इसके कई कारण हो सकते हैं, परन्तु मुख्य कारण होता है यह सोचना कि मैंने आज इतने पृष्ठ पढ़ लिए. परिणामतः जितनी जल्दी पढ़ने में की जाती है. भूलने की क्रिया भी उतनी ही जल्दी-जल्दी अपना काम करती है. अधकचरे अध्ययन के आधार पर कभी-कभी लोग अपनी राय भी बनाने लगते हैं और गोष्ठियों में उसको व्यक्त करने का भी प्रयास करते हैं. ऐसे व्यक्ति शीघ्र ही अपने अधूरे ज्ञान अथवा अज्ञान का परिचय दे देते हैं. इस कोटि के अध्येताओं को लक्ष्य करके चीन के दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने कहा था कि "बिना विचार के सीखना श्रम नष्ट करना है, बिना सीखे हुए विचार करना भयानक है."

हम बिना समझे नित्य पचास पृष्ठ पढ़ें व समझ-समझ कर दो पृष्ठ नित्य पढ़ें. यदि हिसाब लगाया जाए कि वर्ष के अन्त में हमारे ज्ञान में कितनी वृद्धि हुई. सीधा-सा गणित है–प्रथम पद्धति का उत्तर है शून्य और दूसरी पद्धति का उत्तर है सात सौ तीस पृष्ठ.

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि भोजन खूब चबाकर खाना चाहिए, उसको उतना चबाना चाहिए कि वह रसरूप में सरलता से परिणत हो जाए. पशु इस प्रक्रिया को जुगाली करके सम्पन्न करते हैं. कारण स्पष्ट है– दाँत का काम आँत नहीं कर सकती है. ज्ञान भी वही आत्मसात हो सकेगा, जिसको पूरी गहराई से समझ लिया जाएगा. समझ में न आने पर गुरुजन के सम्मुख जिज्ञासा प्रकट करना, अल्पज्ञता का अनुभव करते हुए प्रश्न करना सदैव हितकर रहता है. भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान देते समय यह भी उपदेश दिया था कि–

"तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया ।
उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिनः ।।"

To acquire knowledge, one must study; but to acquire wisdom, one must observe.
—Marilyn Vas Savant